











## दहूल का आरोप

रा गहल गांधी ने कहा कि वर्तमान में बजट का पूरा लाभ मुझे भर लोगों को मिल रहा है। उन्होंने इसका कारण यह बतलाया कि जिनमें कोई भी अधिकारी नहीं होता और न ही कोई दलित वर्ग का अधिकारी। उन्होंने साफ कहा कि जब तक ऐसा होगा समाज के निचले वर्गों को इस बजट का कोई फायदा नहीं होगा। गहल गांधी ने वह तस्वीर दिखानी चाही जिसमें वे अधिकारी थे जिन्होंने बजट तैयार किया है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई भी अधिकारी विचार समाज का नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष की नामंजूरी के पहले ही वे इस चित्र को दिखाने में कामयाब रहे। इस पर काही शोर-शराब को हुआ लेकिन गहल का उल्लेख करने के बाद भी शोर मचाकर उन्हें कंसाने को कारणीकरण की परन्तु नाकामयाब रहे। सरकार के दायित्व में तमाम दायित्वों से उपर देश की सुरक्षा, अम लोगों की जान माल की सुरक्षा भी है इसका कारण कर रहे हैं पर वे इसमें बिलकुल ही कामयाब नहीं हुए। वे तो इनमें से अनेक ऐसे मुर्छे हैं जिन्हें गहल लगातार सदन के भीतर ब बाहर उठा रहे हैं परन्तु सोमवार का उनका भाषण बजट पर चर्चा के दौरान होने से उसका अतिरिक्त महत्व है। देखना यह होगा कि लोकसभा अध्यक्ष उनके भाषण का कितना हिस्सा रहने देते हैं और कितना रातों-रात विलोपित करते हैं। गहल के भाषण की परन्तु नाकामयाब रहे। एक बात इसका कारण कर रही है जो सरकार के लिये चिंता का विषय हो सकता है। इसके साथ ही गहल के भाषण के दौरान मोटी की अनुपस्थिती भी मुदा बनी। निश्चित तौर पर गहल गांधी का अरोप अमलोंगों के लिये एक सूकृत का संकेत देता है जो मोटी और भाजपा से नाम्मीद हो चुके हैं।

## बंग भंग का कुचक्क

प बंगल के एक और विभाजन की मांग भारतीय जनता पार्टी की प.

बंगल इकाई के अध्यक्ष तथा केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने उठाई है। उन्होंने प्रधानमंत्री ने नेंद्र मोदी से मुलाकात कर उत्तरी बंगला के 8 राज्यों को मिलाकर केंद्र शामिल राज्य (यूटी) बनाने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने अनुसार इसे इस केंद्र के भाषण की अनुपस्थिती भी मुदा बनी। निश्चित तौर पर गहल गांधी का अरोप अमलोंगों के लिये एक सूकृत का संकेत देता है जो मोटी और भाजपा से नाम्मीद हो चुके हैं।

बिहार के चुनाव में जो परिणाम सामने आये हैं उसका ईमानदारी से विशेषण किया जाये तो यह तथा है कि सरकारी सेवा में जाना आज भी खुलाऊओं के लिए सबसे बड़ी बात मारी जाती है। इसी मांग पर धक्कमंग बंगल के विकास के नाम से की गयी हो लेकिन इसके पीछे भाजपा के विकासी सीधी भाजपा के चुनाव में दिया जाएगा है। इसके बाद भी यह तथा है कि उससे बिहार, झारखण्ड और यूटी को जारी हो जाएगा। इसके बाद भी यह तथा है कि उत्तर भारत की राज्यों में जारी हो जाएगा। इसके बाद भी यह तथा है कि उत्तर भारत के नामसंसाधनों के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्तीं देश का विकास भी धीमा पड़ता जा रहा है। सिर्फ औद्योगिक विकास की बात से लंबे समय तक देश का भला नहीं हो सकता।

मोटी विकास का दूसरा नाम बताये जा रहे हैं यह नारा सुनने में अच्छा लगता है। लेकिन मोटी ने निजीकरण की जो गति तेज की है उससे बिहार, झारखण्ड और यूटी की सुहित पूरे तरह भरत की राज्यों में जारी हो जाएगी। लेकिन जिस प्रकाश विकासों का पद खानी है उससे देश के मानस संसाधनों के विकास पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। वर्तीं देश का विकास भी धीमा पड़ता जा रहा है। सिर्फ औद्योगिक विकास की बात से लंबे समय तक देश का भला नहीं हो सकता।

बिहार के चुनाव में जो परिणाम सामने आये हैं उसका ईमानदारी से विशेषण किया जाये तो यह तथा है कि सरकारी सेवा में जाना आज भी खुलाऊओं के लिए सबसे बड़ी बात मारी जाती है। इसी मांग पर धक्कमंग बंगल के विकास के नाम से की गयी हो लेकिन इसके कई कारण हैं। पहला तो यह कि 2021 में पूर्व केंद्रीय मंत्री जॉन बारला और मजूमदार ने ही इस मांग को उठाया था परन्तु जब इस पर हो-हल्ला हुआ तो यह तथा है कि जहां एक और उत्तरी बंगला के इन 8 जिलों को मिलाकर यूटी की मांग अब उठाई गयी है। वही इसी इलाके के केंद्र अवधिकारी की अधिकारी विकास का नाम नहीं है।

चुनावी जंग ब्रिटेन के एक मशहूर सैन्य जनरल के शब्दों में कहें तो यह तथा है कि आसान जंग थी। लेकिन नेंद्र मोदी की चुनाव जिताने के बाद भी यह तथा है कि उत्तरी बंगला के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, या आप की पहचान और अप के अनुभव दूसरों को आपमें शामिल करते हैं। इसी से ये तय होगा कि तलवार के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई मुदा ही नहीं होगा कि तलवार के अनुभव में चेतना चाहिए। जिससे मानव समाज में चेतना बढ़े सर तक रहते हैं। अप के अनुभव अपको दूसरों से अलग रखते हैं, तब अपना अस्तित्व बनाए रखना कोई मुदा ही नहीं रहेगा।

जब अस्तित्व कोई म







## स्पीड न्यूज़

मंच ने मनायी पूरनचंद की पुण्य तिथि



मेदिनीनगर। पूरनचंद विचार मंच पलामू ने झारखंड के गांधी, पूर्ण खनन मंत्री व समाजवादी नेता स्वतंत्रता सेनानी पूरनचंद की पुण्यतिथि पंचमुहान वार्षिक पर अध्यक्ष रजन कुमार चंद्रवर्णी के नेतृत्व में मनायी। मौके पर महासचिव संदूष गुप्ता व प्रवक्ता सतीश सुमन भी थे। मौके पर ज्ञानचंद पांडे, प्रीयुल प्रसाद, शशि भूषण (अधिकारी), रामदेव यादव (वरिष्ठ वकील व पलामू जिला बार एसोसिएशन अध्यक्ष), संजर नवाज, रामनाथ चंद्रवर्णी, दीपक कुमार, अरुण कुमार, विश्वनाथ राम घुरा, शिव प्रसाद (नोटरी मंजिस्ट्रेट), विनोद सोनी (नोटरी मंजिस्ट्रेट), संजय गुप्ता (नोटरी मंजिस्ट्रेट) आरुण कुमार, अवगुप्त गुप्ता, गणेश राव, शोएब शाही, अरशद हुसैन, औंकर प्रसाद शामिल थे।

## वज्रपात से वृद्ध किसान की मौत



हैदरनगर, पलामू। थाना क्षेत्र के राहीदार निवासी किसान वासुदेव रिह (70) अपने खेत में काम कर रहे थे।

काम के दौरान अचानक तेज वारिश के साथ वज्रपात हो गयी, जिससे वह बुरी तरह झूलस गये। इसके बाद परिजनों ने अनन्-फानन में तकाल उड़े हुसेनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहाँ अस्पताल में उपस्थित चिकित्सक डॉ दीपक सिन्हा ने प्राथमिक उपचार के क्रम में उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद खेत में काम कर रहे अन्य किसान भी भयभीत हैं।

## छतरपुर पाटन विधायक पुष्पा देवी ने

## विधानसभा के समक्ष किया प्रदर्शन



पाटन पलामू। छतरपुर पाटन क्षेत्र के विधायक पुष्पा देवी ने पाटन को अनुमंडल, नोडीहा बाजार को नगर पंचायत, सरईडीह और लाट्या को प्रखंड बनाने की मांग को लेकर विधानसभा के समक्ष घस्ता दिया।

विगत तीन दिनों में विधानसभा सत्र के दौरान विधायक ने सरकार की गतल नीतियों के खिलाफ जमकर धरना बनाया। इसके दौरान लिखित रूप से कुछ जर्जर हो चुके सड़क पर भी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया। शिवा मंत्री वैद्यनाथ राम से मुलाकात कर छतरपुर एवं नोडीहा बाजार के 512 पारा शिक्षकों की समस्याओं को प्रमुखता से रखी। इसी दौरान ग्रामीण विकास मंत्री से मिल अपने क्षेत्र की समस्याओं से रुक्खर कराया। शूच्यकाल के दौरान विधायक ने पाटन को अनुमंडल, नोडीहा बाजार को नगर पंचायत, सरईडीह और लाट्या को प्रखंड बनाने की मांग सदन में रखी है।

## 10 लाभकों में 1.27 करोड़ रुपय वितरित



मेदिनीनगर। मुख्यमंत्री रोजगार सुजन योजना के तहत चयनित लाभकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करने को लेकर बुधवार को समाजरात्यालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर डॉ डीडीशी श्वेता और अहमद व जिला कल्याण प्रदातिकारी सेवाराम साहू ने लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया। इस दौरान लाभुकों को दोनों पदाधिकारियों ने विभिन्न वार्ता के बीच भी सौंपे। इस कार्यक्रम के दौरान 10 लाखों के बीच राजगारी रोजगार सुजन योजना के तहत अनुदान आधारित 1,27,06,556 रुपय का ऋण उपलब्ध कराया गया। इनमें तहसील के राहुल कुमार को 1300915 रुपय का बोलेहा, तहसील की ही नहीं कुमारी को 1255703 रुपय का बोलेहा प्रदान किया गया। इसी तरह विकास कुमार सोनी को 13 लाख का सोनालिका का ट्रैक्टर दिया गया। वही आशीष कुमार, गोविंद कुमार मेहना, अजय कुमार व रणजीत सिंग को स्कॉरिंगों की बाबी भी सौंपे। इस कार्यक्रम के दौरान 10 लाख का ऋण सिंह को टैट फॉर्ड का रोजगार करने को लिए 10 लाख का ऋण दिया गया। इसी तरह हरिहरगंज के कर्नाई ठाकुर को हांडवेरय के व्यापार के लिये 15 लाख का ऋण दिया गया वही हुसेनाबाद राजगार के अविनाश कुमार को जेनरल स्ट्रोर का रोजगार करने के लिए 50 हजार रुपय का ऋण उपलब्ध कराया गया।

## जीएलए कॉर्टेज के हिंदी विभाग में प्रेमचंद की जयंती पर गोष्ठी आयोजित



मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय में हिंदी विभाग द्वारा महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा सम्प्राट मुशी प्रेमचंद जी की 144वीं जयंती के अवसर पर विभागध्यक्ष डॉ विभाग शंकर के साथ-साथ एवं विभागध्यक्ष डॉ विभाग शंकर के फटे जूते उनकी सादी का गवाह है, जिसकी बच्ची खलेखों के बारे में हिंदी प्रेमचंद का कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है। हिंदी विभाग की सहायक प्राच्याधिकारी डॉ मंजू सिंह ने प्रेमचंद के विभागध्यक्ष डॉ विभाग शंकर के खलेखों के बारे में हिंदी प्रेमचंद की कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय में हिंदी विभाग द्वारा महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद प्रसिद्ध काहीनीकार एवं उपन्यासकार के साथ-साथ एक महान कवि भी थे। उन्होंने प्रेमचंद की कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया। कार्यक्रम को सोबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में कृतित परिचय देते हुए कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में आद्यवाद और यथावाद का बान वह है, उनकी रचनाओं में दिलत विमर्श, कृषक विमर्श एवं स्त्री विमर्श देखने को मिलता है।

मेदिनीनगर। गणेश लाल अग्रवाल महाविवालय के वर्षुअल लेलासरुम में हिंदी कथा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविवालय के प्राचार्य डॉ आईजे खलेखों ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुशी प्रेमचंद जी की तर्वरी पर विभागध्यक्ष, पुष्टांशुली अपरित एवं दीप प्रज्ञालित कर दिया गया



